B.Voc / M.Voc
Vocational Programs of Skill Development

Sigma Six Q:
Six Qualities for a Sustainable Future

Internet of Things

Dairy Technology

Agriculture Technology

Science Faculty

Water Sanitation & Solid waste Management

Automobile

Renewable Energy

Engineering Faculty

Food processing & Preservation

Apparel Design

Textile

Arts Faculty

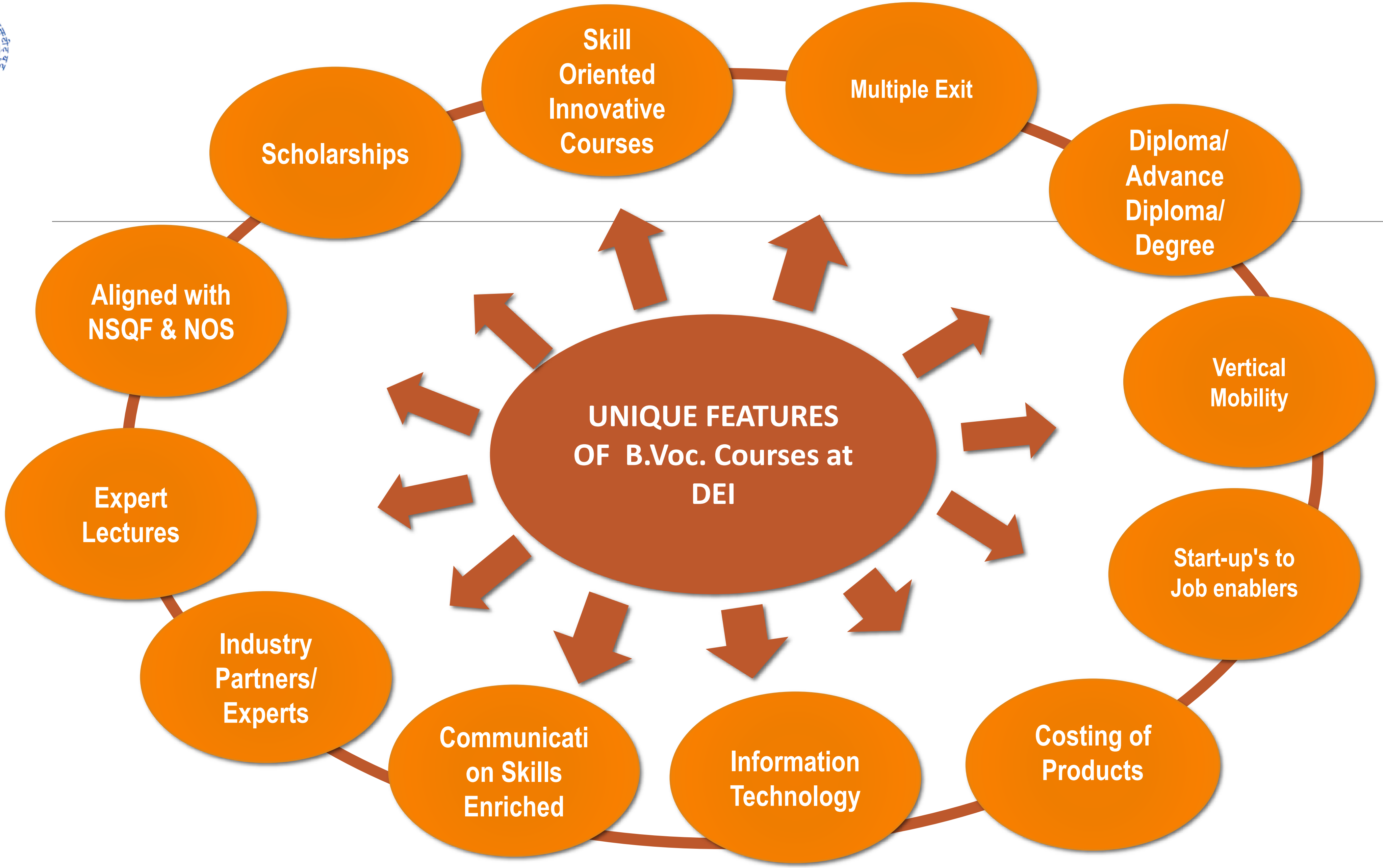
UNIQUE FEATURES OF B.Voc. Courses at DEI
Skill Oriented Innovative Courses
Multiple Exit
Diploma/ Advance Diploma/ Diploma/ Degree
Vertical Mobility
Start-up's to Job enablers
Costing of Products
Information Technology
Communication Skills Enriched
Industry Partners/ Experts
Expert Lectures
Aligned with NSQF & NOS
Scholarships

Effective Mechanism for Placement of Students

- Job Fair
- Coop programs
- Guest lecture establishing higher industry institute partnership.
- “Earn while you learn” generate creative ideas and entrepreneurs.
- Entrepreneurial activities ensure job Enablers rather then job Seekers
- The Alumni Association network which ensure placements.
- Mid semester training helps to mold students as per the industrial need.

Agriculture Technology

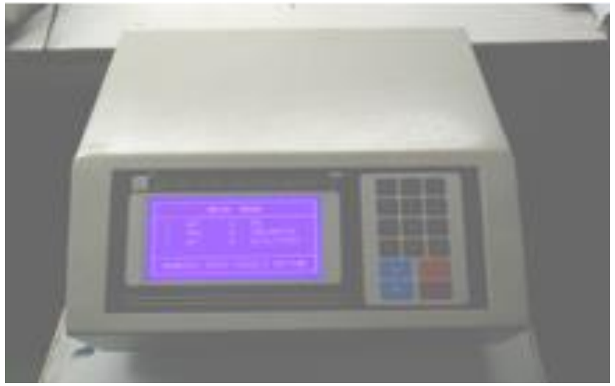

Apparel Design

Automobile Students learning & Earning

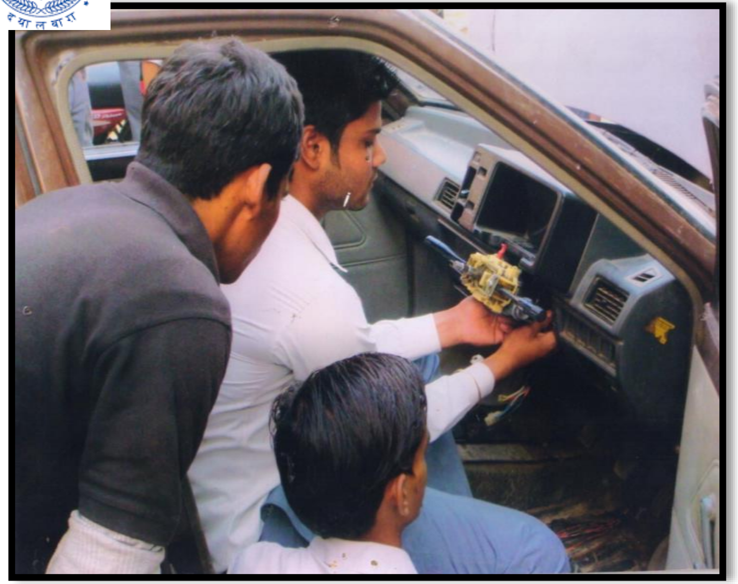

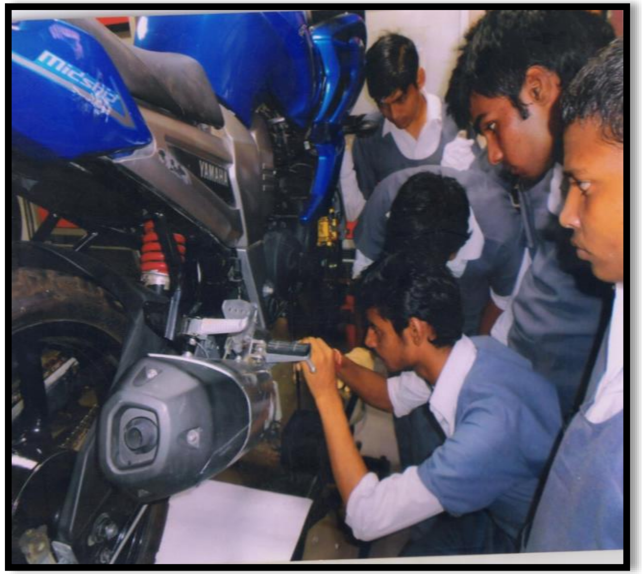

Dairy Technology

Food Processing and Preservation

Renewable Energy Skill Enhancement

Solar Thermal Lab at Renewable Energy

Biomass Lab Renewable Energy

SPV Inspection and Testing Renewable Energy

SPV Maintenance Lab Renewable Energy

Students cleaning a String

Monitoring Battery Bank and charging station

Textile Students Design Products

Textiles Product Development Lab

Water Sanitation
&
Solid waste Management

मोह लेती है
स्वच्छता और हरियाली

आगरा स्थित दयालबाग शिक्षण संस्थान (डीईआइ) में कदम रखिए, तो छात्रों से ज्यादा पेड़-पौधे दिखाई देंगे। तपती गर्मी में हवा का झोंका तन-मन को प्रफुल्लित कर देगा। स्वच्छता और हरियाली का इतना सुंदर मेल कि आप प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते। सहज अहसास हो उठता है कि वाकई यह देश के स्वच्छतम शिक्षण संस्थानों में शामिल होने का काबिलियत रखता है।

देश के स्वच्छतम शिक्षण संस्थानों में शामिल है आगरा का दयालबाग शिक्षण संस्थान

यहां पाठ्यक्रम में शामिल है स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण का अनूठा उदाहरण

तस्वीर स्वच्छता की
परिसर में ज्यों ज्यों कदम आगे बढ़ेंगे, तो खुद ही कहने लगेंगे कि यूं ही नहीं डीईआइ स्वच्छता का सरताज बन गया है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वच्छता रैंकिंग में डीईआइ ने स्थान बनाया है। हरे भरे पेड़ पौधों और हरे भरे सुंदर दालानों के बीच से गुजरती सजीली सड़कें। एकदम तरोताजा और स्वच्छ वातावरण। साफसुथरे भवन। हर जरूरी जगह पर तीन कूड़ेदान। एक सूखे कचरे के लिए, दूसरा पॉलीथिन इत्यादि कचरे के लिए और तीसरा जूठन इत्यादि गीले कचरे के लिए।

कचरा प्रबंधन में अव्वल
जूठन और गीले कचरे से खाद तैयार की जाती है। पॉलीथिन से फ्यूल तैयार करने पर काम चल रहा है, जबकि पेपर को रीसाइकिल कर इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह कचरा प्रबंधन में यह संस्थान पूरी तरह दक्ष है। यूनिवर्सिटी साइंस इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर के विभागाध्यक्ष स्वामी प्यारा ने बताया कि बैचलर इन वॉकेशनल ट्रेनिंग के छात्रों के पाठ्यक्रम में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट शामिल है। संस्थान का वेस्ट मैनेजमेंट भी यही छात्र करते हैं। यहां वाटर, सेनीटेशन और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट में तीन वर्षीय बैचलर कोर्स उपलब्ध है। जूठन से पिट मैथड और वर्मी कम्पोस्ट खाद तैयार करने को लेकर निजी कंपनियों से अनुबंध बी किया गया है। बायोगैस प्लांट और पानी की रीसाइक्लिंग के भी प्रबंध किए गए हैं।

संकल्प से सिद्धि
कैसे बना यह स्वच्छतम? इस बारे में पूछने पर बताया गया कि यहां स्वच्छता तो पाठ्यक्रम में ही शामिल है। 1980 से बतौर सोशल वर्क यह पाठ्यक्रम का हिस्सा है। प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए इसे अनिवार्य विषय के रूप में रखा गया है। जिसके 200 अंक निर्धारित हैं। सप्ताह में तीन दिन इस विषय की क्लास लगती है। साफ-सफाई से लेकर कचरा प्रबंधन का काम खुद छात्र करते है। 15 छात्रों का समूह बनाया जाता है, उन्हें क्लास और परिसर की सफाई का टास्क दिया जाता है। निरीक्षण शिक्षक करते हैं। प्रदर्शन के आधार पर अंक प्रदान किए जाते हैं।

डीईआइ का मूल मंत्र है सहयोग, संगठन और सफलता। संस्थान की स्वच्छता के लिए सभी मिलकर काम कर रहे हैं। पहले मन को स्वच्छ किया, संस्थान खुद ब खुद स्वच्छ हो गया।
प्रो. प्रेम कुमार कालरा, निदेशक डीईआइ

आधुनिक संसाधनों से परिपूर्ण
हॉस्टल से लेकर कक्षाओं और भवनों तक में सौर ऊर्जा जनित बिजली उपलब्ध है। यहां साइंस, आर्ट्स, कॉमर्स सहित सभी संकायों में पर्याप्त शौचालय उपलब्ध हैं। शौचालय आधुनिक हैं, जिनकी स्वच्छता को बरकरार रखा जाता है। संस्थान में पांच कैंटीन और हर फैकल्टी में फूड स्टॉल है। इनमें सब्जी-रोटी, छोले-भटूरे सहित घर का जैसा खाना बनता है। रसोई में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

एक कदम स्वच्छता की ओर
संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत 2500 छात्र बतौर स्वयंसेवक सक्रिय हैं। इनके द्वारा परिसर के आस-पास के इलाकों-गांवों में जागरूकता विषयक शिविर लगाए जाते हैं। एनएसएस में 2500 स्वयंसेवक हैं, ये संस्थान की सफाई करने के साथ ही आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चला रहे हैं। लोगों को भी जागरूक किया जा रहा है।

अच्छी वाली आदत
यहां अध्ययनरत छात्र प्रांजल अग्रवाल और समृत सिंह सेंगर कहते हैं कि स्वच्छता उनकी आदत बन गई है। वे परिसर की ही नहीं, घर और आसपास की भी सफाई का ध्यान रखते हैं। कोई गंदगी फैलाता है, तो उसे मना करते हैं।

Out Come: 100% Sustainable Model

Food / Clothing / Housing

Sigma Six Q: Six Qualities for a Sustainable Future

We are extremely grateful to Revered Chairman ,

Advisory Committee on Education,

for Guidance, Motivation and Opportunity